

Jagruk Times
Date: 11 May 2021

कोरोना महामारी ने भारत में करोड़ों लोगों को गरीबी में धकेला



पाई-पाई के मोहताज हो गए परिवार

» श्रमिकों की आय घटी

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने भारत के करोड़ों लोगों को गरीबी में धकेल दिया है। दरअसल, कोविड-19 को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन से लाखों श्रमिकों को अपने रोजगार से हाथ धोना पड़ा है। इससे उनकी बचत खत्म हो गई है और वो पाई-पाई के मोहताज हो गए हैं। परिवार का खर्च चलाने के लिए कर्ज लेने को मजबूर होना पड़ रहा है।

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना संकट की सबसे बड़ी मार गरीबों पर पड़ी पड़ी है। पिछले साल मार्च से अक्टूबर 2020 के बीच इससे 23 करोड़ गरीब मजदूरों की कमाई 375 रुपये की न्यूनतम मजदूरी से भी काफी कम हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी इलाकों में गरीबी 20 फीसदी और ग्रामीण इलाकों में 15 फीसदी तक बढ़ गई है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद गरीब वर्ग की हालत और खराब होने की आशंका जताई जा रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) ने सोमवार को कहा कि देशभर में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच लागू लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों के चलते बेरोजगारी दर चार महीने के उच्च स्तर 8 फीसदी पर पहुंच गई। आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 7.97 प्रतिशत पहुंच गयी है। शहरी क्षेत्रों में 9.78 प्रतिशत जबकि ग्रामीण स्तर पर बेरोजगारी दर 7.13 प्रतिशत है। इससे पहले, मार्च में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 6.50 प्रतिशत थी और ग्रामीण तथा शहरी दोनों जगह यह दर अपेक्षाकृत कम थी।